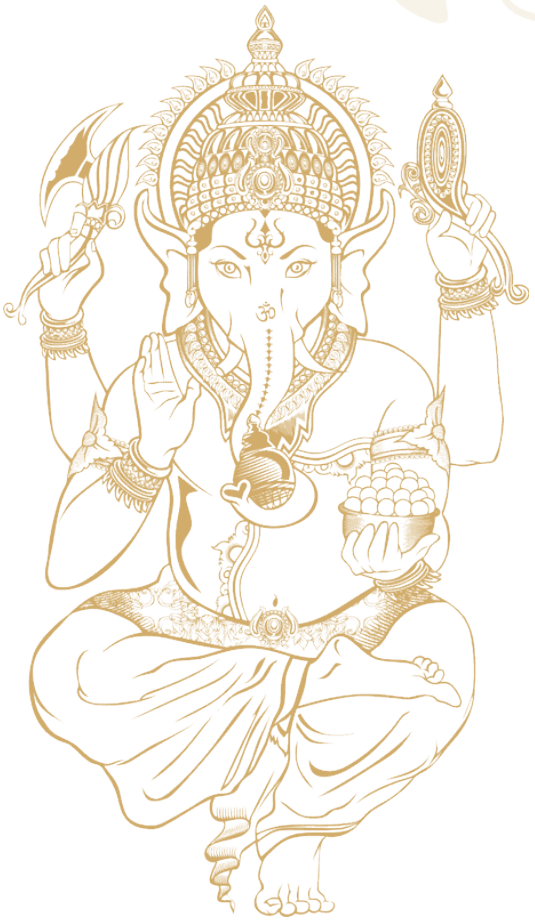

Mr.umesh trivedi

27 Oct 1999

01:35 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121283305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/10/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:35:00 घंटे**
इष्ट	47:11:03 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:57:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:00 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:33 घंटे
सूर्योदय	06:42:34 घंटे
सूर्यास्त	18:00:15 घंटे
दिनमान	11:17:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:06:20 तुला
लग्न के अंश	29:50:27 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:50:27	315:16:18	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			तुला	09:06:20	00:59:49	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			वृष	06:28:46	14:59:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			धनु	13:15:52	00:44:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	03:07:01	00:53:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मेष	05:39:47	00:08:06	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	22:40:32	00:57:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	20:42:30	00:04:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	15:00:27	00:09:52	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:00:27	00:09:52	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:01:04	00:00:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:46:58	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:07:06	00:01:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	27:42:26	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:01

लग्न-चलित

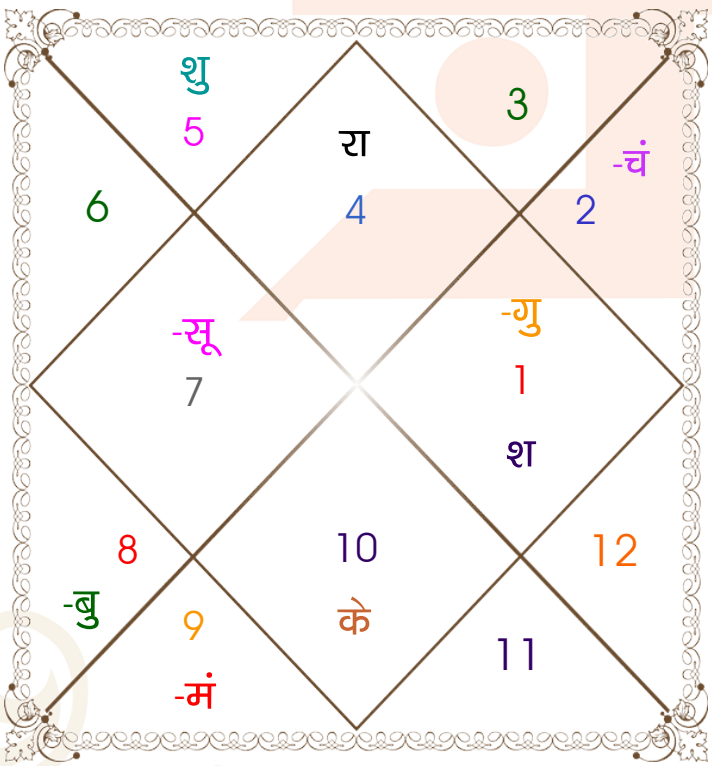

चन्द्र कुंडली

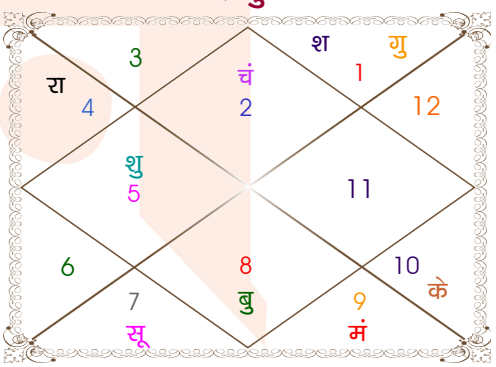

नवमांश कुंडली

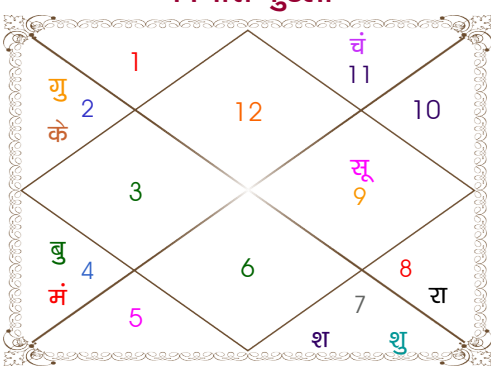

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/10/1999		27/05/2001		28/05/2011		27/05/2018		27/05/2036	
27/05/2001		28/05/2011		27/05/2018		27/05/2036		27/05/2052	
	00/00/0000	चंद्र	28/03/2002	मंगल	24/10/2011	राहु	07/02/2021	गुरु	15/07/2038
	00/00/0000	मंगल	27/10/2002	राहु	10/11/2012	गुरु	03/07/2023	शनि	25/01/2041
	00/00/0000	राहु	27/04/2004	गुरु	17/10/2013	शनि	09/05/2026	बुध	03/05/2043
	00/00/0000	गुरु	27/08/2005	शनि	26/11/2014	बुध	26/11/2028	केतु	08/04/2044
	00/00/0000	शनि	28/03/2007	बुध	23/11/2015	केतु	14/12/2029	शुक्र	08/12/2046
	27/10/1999	बुध	26/08/2008	केतु	20/04/2016	शुक्र	14/12/2032	सूर्य	26/09/2047
बुध	20/01/2000	केतु	27/03/2009	शुक्र	21/06/2017	सूर्य	08/11/2033	चंद्र	25/01/2049
केतु	27/05/2000	शुक्र	26/11/2010	सूर्य	26/10/2017	चंद्र	09/05/2035	मंगल	01/01/2050
शुक्र	27/05/2001	सूर्य	28/05/2011	चंद्र	27/05/2018	मंगल	27/05/2036	राहु	27/05/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/05/2052		28/05/2071		27/05/2088		28/05/2095		29/05/2115	
28/05/2071		27/05/2088		28/05/2095		29/05/2115		00/00/0000	
शनि	31/05/2055	बुध	23/10/2073	केतु	23/10/2088	शुक्र	26/09/2098	सूर्य	15/09/2115
बुध	07/02/2058	केतु	21/10/2074	शुक्र	23/12/2089	सूर्य	26/09/2099	चंद्र	16/03/2116
केतु	19/03/2059	शुक्र	20/08/2077	सूर्य	30/04/2090	चंद्र	28/05/2101	मंगल	22/07/2116
शुक्र	18/05/2062	सूर्य	27/06/2078	चंद्र	29/11/2090	मंगल	28/07/2102	राहु	15/06/2117
सूर्य	30/04/2063	चंद्र	26/11/2079	मंगल	27/04/2091	राहु	28/07/2105	गुरु	04/04/2118
चंद्र	29/11/2064	मंगल	23/11/2080	राहु	15/05/2092	गुरु	28/03/2108	शनि	17/03/2119
मंगल	07/01/2066	राहु	12/06/2083	गुरु	21/04/2093	शनि	29/05/2111	बुध	28/10/2119
राहु	13/11/2068	गुरु	17/09/2085	शनि	31/05/2094	बुध	29/03/2114		00/00/0000
गुरु	28/05/2071	शनि	27/05/2088	बुध	28/05/2095	केतु	29/05/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।